>

Title: Need to make the B.S.N.L landline service more attractive for the customers with a view to check the decline in the number of B.S.N.L. landline users.

श्री ए.टी. नाना पाटील (जलगांव): पूरे विश्व में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारी प्रगति हो रही है, लेकिन आज भी लैंड लाईन फोन का महत्व बना हुआ है। आज दूर संचार के क्षेत्र में सरकारी कम्पनी बीएसएनएल के साथ निजी कम्पनियां भी प्रतिस्पर्धा कर रही है, लेकिन बीएसएनएल का रूख उपेक्षा का दिखाइ दे रहा है। आज देश में मोबाइल के प्रतिस्पर्धा के चलते मोबाइल के काल दरों में काफी कमी आई, इससे मोबाइल ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में फैल गया। इसकी पहुंच आम आदमी तक हो गई है। लेकिन आज लैंड लाईन की दरों में कोई कमी नहीं की गई है। उस क्षेत्र की निजी कम्पनियां सस्ती दरों में लैंड लाईन उपलब्ध कराकर बीएसएनएल से उसका व्यवसाय छीन रहीं हैं। बीएसएनएल ने ग्रामीण क्षेत्र के लैंड लाइन उपभोक्ताओं को सस्ती सेवा देने के नाम पर थोड़ी कटौती की, मगर शहरों और महानगरों में क्रमशः 120 रूपये प्रतिमाह और 50 कॉल मुफत और महानगरों में यह बढ़कर 165 रूपये प्रतिमाह किया गया। अन्य कोई रियायत भी नहीं दी जा रही, इसमें टैक्स को जोड़ा जा रहा है। आज दूरसंचार साधनों का महत्व बढ़ा है। शहरों से देशभर में काल करने के लिए एसटीडी की दरें कम करने की आवश्यकता होते हुए भी बीएसएनएल ने इसे कम नहीं किया। अगस्त 2008 में ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक योजना के द्वारा मासिक शुल्क 20 रूपये और 250 भरकर 2 साल बिना शुल्क और एसटीडी एक रूपया रखा। बीएसएनएल को दूरसंचार क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखना है तो उसे और प्रतिस्पर्धा बनाना होगा। लैंड लाइन के कम हो रहे उपभोक्ताओं को फिर से जोड़ने के लिए ग्रामीण -शहरी भेद खत्म कर सभी की दरें समाप्त करें तथा लैंड लाइन उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक रियायतें देकर उन्हें लैंडलाइन कायम रखने में सुविधा दे, इससे बीएसएनएल के बंद पड़े कनैक्शन पुनः शुरू हो सकते हैं। मैं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जी से आपके माध्यम से उपरोक्त अनुसार तत्काल कार्रवाई करने की मांग करता हूं।